अन्नपूर्णा योजना
7 जन्मदिन | वैवाहिक वर्षगाँठ | पूर्वज-वार्षिकी
प्रकाशन तिथि : 09 सितम्बर, 2025
Posted at N.I. Estate P.O. N.D.-28
From 11-09-2025 to 15-09-2025
The Registrar of News Papers for India
R.N.I. DELHIN-2001-3044 Regd.
News Paper "Registered"
- DL(W) 10/2034/2023-25
- U(W)-37/2023-25
Licenced to post without prepayment

धर्मदूत

'धर्म एवं सामाजिक जागृति का अनुपम मासिक पत्र'

प्रेषक : विश्व जागृति मिशन, ओंकारेश्वर महादेव मंदिर, 'जी' ब्लाक, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली-110015

सितम्बर, 2025 | आश्विन | सं. 2082 | अंक 290 | मूल्य एक प्रति 5.00 रु. | वार्षिक 50.00 रु. | पृष्ठ 8

विश्वकर्मा जयंती
17 सितम्बर, 2025
की
हार्दिक शुभकामनाएं

प्रतिष्ठा में,

1 अध्यात्म | 2 सम्पादकीय | 3 अम्बर की पाती | 4 समाचार दर्शन | 5 गुरु घर से पाती | 6 धर्मादा | 7 समाचार दर्शन | 8 समाचार दर्शन

सुख-शांति और धन-समृद्धि प्रदाता है - श्री गणेश-लक्ष्मी महायज्ञ

लोक मंगल की कामना से किसी भी विचार वस्तु या पदार्थ को स्वयं तक सीमित न रखकर उपकार का बदला न चाहते हुए दूसरों को लाभ पहुंचाना ही यज्ञ है। जब व्यक्ति किसी की सहायता करके प्रसन्नता का अनुभव करता है, उसे दूसरों के काम आने में खुशी मिलती है तो समझाना चाहिए उसका जीवन यज्ञमय हो गया। दु:ख में, परेशानी में यज्ञ का फल सुख-समृद्धि बनकर सामने आता है।

''अयं यज्ञो भुवनस्य नाभि:'' यज्ञ ही इस संसार चक्र की धुरी है। धुरी टूट जाने पर जिस तरह गाड़ी का आगे बढ़ना कठिन है उसी तरह यज्ञीय कार्य न होने से संसार की प्रगति रुक जाती है। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी स्वयं की आध्यात्मिक और भौतिक उन्नति-प्रगति के साथ घर परिवार के सुख-स्वास्थ्य, खुशहाली तथा नौकरी-व्यापार में उन्नति के साथ धन-समृद्धि, यश-कीर्ति के प्राप्ति के लिए यज्ञ अवश्य करना और करवाना चाहिए।

जिस प्रकार वाद्य यंत्रों में उँगलियों के संचालन से राग-रागनियाँ बजती हैं और उनका प्रभाव सुनने वालों पर विभिन्न प्रकार का होता है. उसी प्रकार मंत्रोच्चारण से भी एक विशिष्ट प्रकार की ध्वनि तरंगें निकलती हैं और उनका भारी प्रभाव विश्वव्यापी प्रकृति पर, सूक्ष्म जगत् पर तथा प्राणियों के स्थूल तथा सूक्ष्म शरीरों पर पड़ता है।

यज्ञ की ऊष्मा मनुष्य के अंत:करण पर देवत्व की छाप डालती है। जहाँ यज्ञ होते हैं, वह भूमि एवं प्रदेश सुसंस्कारों की छाप अपने अन्दर धारण कर लेता है और वहाँ जाने वालों पर दीर्घकाल तक प्रभाव डालता रहता है। प्राचीनकाल में तीर्थ वहीं बने हैं, जहाँ बड़े-बड़े यज्ञ हुए थे। आनंदधाम आश्रम में 25 वर्षों से प्रतिवर्ष 108 कुण्डीय श्री गणेश लक्ष्मी महायज्ञ किया जाता है। निरंतर यज्ञ-याग व पूजा-पाठ से आश्रम का कण-कण जागृत होकर तीर्थ स्थल बन चुका है। यहां के शिव वरदान तीर्थ में जगद्गुरु शंकाराचार्य पूज्य मोरारी बापू जी, पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जैसे महान संतों ने आकर दर्शन-पूजन किया। इसी शिव वरदान तीर्थ प्रांगण में इस वर्ष भी महायज्ञ आयोजित किया जा रहा है।

भय, ताप, संताप, दु:ख, दारिद्रय निवारण के लिए यज्ञों के द्वारा ही ईश्वर को प्रसन्न करने का प्राचीन काल से प्रयोग चला आ रहा है। वर्तमान समय संकट और संक्रमण का काल चल रहा है। ऐसे में सभी संकट और बाधाएं दूर हों लोगों में शक्ति-साहस बढ़े, आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे लोगों की कठिनाइयां दूर हों वे धन-समृद्धि को प्राप्त कर खुशहाल जीवन जीयें इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भक्तों के कल्याण के निमित्त आनंदधाम आश्रम में श्रीगणेश लक्ष्मी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। महायज्ञ में सम्मिलत होकर या संकल्पित यजमान बनकर प्रभु प्रेमी भक्तों को यज्ञ का पुण्य लाभ अवश्य लेना चाहिये। ●

रोग, शोक, भय, चिंता, निराशा और दरिद्रता के दहन के लिए यज्ञ करें। यज्ञ के प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, सुख, अभयता, आशा, उत्साह और समृद्धि आयेगी। श्रीगणेश-लक्ष्मी महायज्ञ में सहभागिता कर रहे यजमान भक्तों के जीवन, घर-परिवार, नौकरी-व्यापार की हर विघ्नबाधा का भगवान गणपति हरण करेंगे और माँ लक्ष्मी धन-समृद्धि के भण्डार भर देंगी।

धन-समृद्धि एवं शुभ मनोकामना पूर्ति हेतु
पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज एवं डॉ. अर्चिका दीदी जी के पावन सान्निध्य में
108 कुण्डीय
श्री गणेश लक्ष्मी महायज्ञ-2025
04 से 07 अक्टूबर, 2025
प्रात: 8 बजे से
शरदपूर्णिमा : 07 अक्टूबर, 2025
विशेष वरदान सिद्धि साधना
07 अक्टूबर, 2025
स्थान : आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली-110041

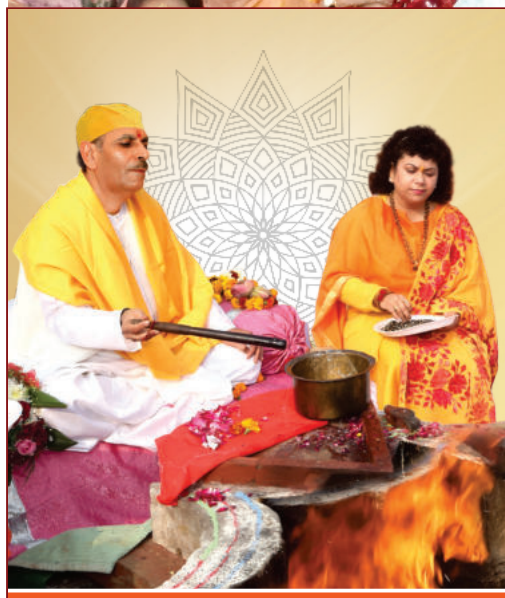

अधिक जानकारी व पंजीकरण के लिये सम्पर्क करें -
आयोजक विश्व जागृति मिशन
सम्पर्क सूत्र: (+91) 9312284390, 9589938938, 9312272625, 8826891955
www.vishwajagritimission.org

कलियुग केवल नाम आधारा

'कलियुग केवल नाम आधारा। सिमर सिमर नर उतरे पारा।।' सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलयुग में ईश्वर भक्ति, उसकी प्राप्ति, उसकी अनुभूति की अलग-अलग विधियां बताई गई है, शास्त्रों में, विद्वान दार्शनिकों, ऋषियों द्वारा। किन्तु सभी विधियों में मौलिक बात एक ही है। समय और विधि कोई भी हो, भक्त का भाव शुद्ध हो, मन परमात्मा में स्थित हो, बुद्धि सूक्ष्म हो, इन्द्रिय निग्रह हो, ध्यान केवल परमात्मा के चरणों में स्थिर हो, तो भक्ति फलीभूत होती है। भगवान श्री कृष्ण गीता में कहते हैं–ईश्वर प्राप्ति के लिए मनुष्य का कर्तव्य है कि वह धैर्य और उत्साह युक्त चित्त से निश्चयपूर्वक योग करें। संकल्प से उत्पन्न होने वाली सम्पूर्ण कामनाओं को नि:शेष रूप से त्यागकर और मन के द्वारा इन्द्रियों के समुदाय को सभी ओर से भलीभान्ति रोक कर क्रमश: अभ्यास करता हुआ उपरति को प्राप्त हो तथा धैर्य युक्त बुद्धि के द्वारा मन को परमात्मा में स्थित करके परमात्मा के सिवा और कुछ भी चिंतन न करें। ऐसे सच्चिदानन्दघन ब्रह्म के साथ एकीभाव हुए योगी को उत्तम आनंद प्राप्त होता है। (गीता 6/25-26-27।)। सार क्या है? स्थिर एवं शुद्ध मन से ईश्वर के पावन नाम का सिमरन करना मात्र ही ईश्वर प्राप्ति का सुगम-अनुपम साधन है।

ईश्वर के नाम सिमरन से शरीर, मन और बुद्धि पर क्या प्रभाव पड़ता है, इस विषय पर फिलाडेल्फिया विश्वविद्यालय व पेसिंलवेनिया विश्वविद्यालय में डॉक्टर एच जी कोइंग एवं डॉ. एंडयू न्यूवर्ग ने शोध किया। नाम सिमरन पर 500 से अधिक रिसर्च पेपर्स का अच्छी तरह प्रयोग करके वैज्ञानिक 'साइको न्यूरो साफ्टवेयर' एक्सपेरिमेन्टस कर के बताया कि जब आप एकाग्र चित्त होकर श्रद्धा से प्रभु के नाम का स्मरण करते हैं जब हार्मोन आपकी बॉडी में रीलीज होते हैं तो आप की स्मृति 15 से 25 % बदलती है, आपकी एकाग्रता इच्छा शक्ति और विश्वास 20 से 25 % बढ़ता है, आपकी दु:ख सहने की शक्ति बढ़ती है अर्थात सहनशीलता बढ़ती है, रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है और इम्यून सिस्टम की शक्ति में वृद्धि होती है। और यह सभी शक्तिशाली तत्व आपको मन शांत करने, आनंद पाने और ईश्वर अनुभूति में बहुत सहायक सिद्ध होते हैं।

ये प्रयोग सभी आयु वर्ग बाल, युवा और वृद्ध पर किय गये। वैसे तो भारत के ऋषियों-मुनियों ने अपने अनुभवों और ज्ञान से इन सत्यों का शास्त्रों में वर्णन किया है किन्तु वर्तमान में विज्ञान का युग है, तो जब ज्ञान-विज्ञान दोनों ही एक सत्य को प्रभावित रूप से सिद्ध करते हैं तो लोगों का विश्वास भी बढ़ता है और चमत्कार भी घटते हैं।

सद्गुरुदेव जी महाराज तो नाम सिमरन के महत्व को आध्यात्मिक यात्रा के प्रारम्भ से ही मानकर सत्संग प्रारम्भ करने से पूर्व मधुर स्वर से नाम सिमरन करवाते हैं, अलग-अलग नामों ओम् नम: शिवाय, ओम नमो भगवते वासुदेवाय, सत नाम सत नाम जी आदि से सिमरन करवाते हैं। डॉ. अर्चिका दीदी भी प्रवचन से पूर्व भक्तों के मन को प्रभु चरणों में, गुरु चरणों में एकाग्र करवाती हैं, कीर्तन भी करवाती हैं। अपने भक्तों का कल्याण ही सर्वदा इन पुण्य आत्माओं का उद्देश्य रहता है।

-डॉ. नरेन्द्र मदान

सद्गुरुदेव उवाच

अपनों के फूल की मार भी करती है पत्थर का वार

चट्टान की तरह मजबूत इरादों वाला मन्सूर दुनिया वालों के पत्थरों की चोट भी हंसकर सहता रहा, उसकी आंखों से एक आंसू भी नहीं गिरा, लेकिन जब उसके मित्र ने एक फूल उसकी तरफ फेंका तो वह चिल्लाकर रोने लगा। मित्र ने पूछा, मन्सूर! वे लोग तो पत्थर मार रहे हैं, जिनसे तुम्हारे शरीर में जख्म हो गए हैं, फिर भी तुम शान्त थे, पर मेरे फूल मारने से भी तुम रो रहे हो? यह क्या बात है?

मन्सूर ने कहा–ये लोग तो नासमझ हैं, ये मुझे कैसे समझेंगे, ये तो दूर वाले हैं, पर तुम तो अपने हो, तुम तो मेरे दिल के करीब हो, आज तुम भी इन पत्थर मारने वालों की कतार में खड़े हो गए हो, इनके पत्थर तो मैं सह सकता हूं, क्योंकि उनकी चोट शरीर पर लगती है, आपके तो फूल की चोट पत्थर से भी ज्यादा दु:ख देती है, क्योंकि वह केवल शरीर पर नहीं, दिल पर असर करती है।

बाहर वालों की चोट को तो इंसान सह सकता है, लेकिन अपने रिश्ते-नातों में, अपने पारिवारिक सम्बन्धों में प्रेम प्यार बनाकर रखिए, तालमेल बनाकर चलिए, मर्यादा बनाकर रखिए। जहां छोटे बड़ों का सम्मान करें, बड़े छोटों को प्यार करें, सब एक दूसरे की भावनाओं को समझकर चलें, वहां हर स्थिति में सुख शान्ति और आनन्द बना रहता है। माता-पिता और बच्चों में प्यार-सम्मान का भाव जागृत करने वाला सामाजिक क्रांति का पर्व श्रद्धा पर्व हमें यही संदेश देता है।

पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित

भक्ति सत्संग के आगामी कार्यक्रम, 2025

02 अक्टूबर	- श्रद्धापर्व, आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली
04 से 07 अक्टूबर	- श्री गणेश-लक्ष्मी महायज्ञ, आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली
07 अक्टूबर	- शरद पूर्णिमा दर्शन, आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली
30 अक्टूबर से 02 नवम्बर	- सनातन संस्कृति जागरण अभियान, पंचकुला, हरियाणा (प्रख्यात पूज्य साधु-संत एवं राष्ट्र के प्रखर राजनेताओं के सम्बोधन)
12 से 16 नवम्बर	- श्रीकृष्ण ध्यान-योग, वृन्दावन, उत्तर प्रदेश
27 से 30 नवम्बर	- विराट भक्ति सत्संग, बरनाला, पंजाब
04 से 07 दिसम्बर	- रायपुर, छत्तीसगढ़
19 से 21 दिसम्बर	- कोलकाता, पश्चिम बंगाल
25 से 28 दिसम्बर	- सूरत, गुजरात

आयोजक : विश्व जागृति मिशन

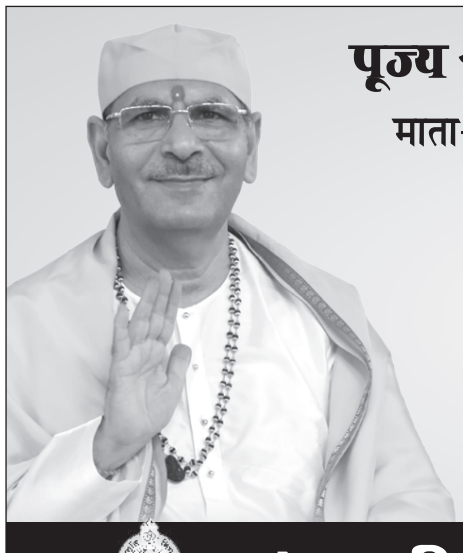

पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज एवं डॉ. अर्चिका दीदी के पावन सान्निध्य में

माता-पिता एवं राष्ट्र व समाज को गौरवान्वित करने पर अति विशिष्ट वरिष्ठजनों के सम्मान का पर्व

श्रद्धापर्व महोत्सव

2 अक्टूबर, 2025
प्रात: - 10 बजे से

स्थान
आनन्दधाम आश्रम,
बक्करवाला मार्ग, नई दिल्ली - 110041

आयोजक : विश्व जागृति मिशन-अन्तर्राष्ट्रीय यूथ विंग | दूरभाष: +91 9999904747

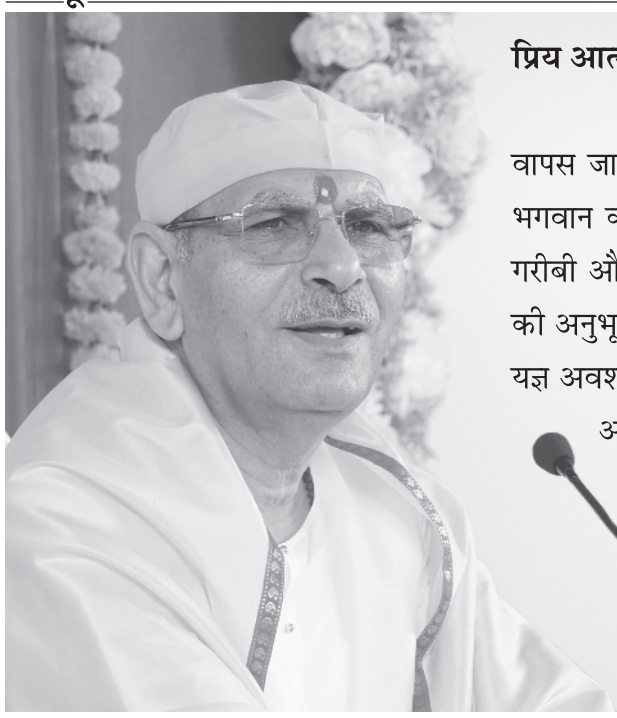

प्रिय आत्मन्!

जब कभी ऐसा प्रतीत हो कि किस्मत आपका साथ नहीं दे रही, भगवान आप से रूठ गए हैं, रिद्धियां-सिद्धियां वापस जाने लगी, आप जो भी कार्य करते हैं उसमें असफलता ही हाथ लगती है, हर कार्य में बाधा आ रही है तो आप यज्ञ भगवान की शरण में जाओ, यज्ञ करो, यज्ञ करवाओ। यज्ञ से प्रसन्न होकर यज्ञ नारायण भगवान घोर निराशा, हताशा, दुःख, गरीबी और असफलता के अंधेरे में भी आशा, उत्साह, सुख, समृद्धि और सफलता का दीप जलाकर अपने आनंदमय स्वरूप की अनुभूति करा देंगे। इसलिए अपने घर-परिवार और जीवन में सुख-समृद्धि व सिद्धि-सफलता के लिए जब भी अवसर मिले यज्ञ अवश्य करें। दैवयोग से भक्तों के कल्याणार्थ पिछले 25 वर्षों से आनंदधाम आश्रम, नई दिल्ली में प्रतिवर्ष शरद पूर्णिमा के अवसर पर विघ्न-बाधाओं से निवृत्ति और धन-सम्पत्ति की प्राप्ति के लिए 108 कुण्डीय श्री गणेश-लक्ष्मी महायज्ञ किया जाता है। इस वर्ष यह महायज्ञ 4 से 7 अक्टूबर, 2025 को आयोजित किया जा रहा है। आप सभी के जीवन, घर-परिवार और नौकरी-व्यापार में धन-समृद्धि प्राप्ति का मंगलमय अवसर है यह महायज्ञ। यज्ञ में आहुति देकर सुख, सौभाग्य और धन-समृद्धि का वरदान पाने के लिए अवश्य आएं।

बहुत-बहुत आशीर्वाद, शुभ मंगल कामनाएं।

-आचार्य सुधांशु

धर्मकोष सदस्यता अभियान

एक बार दान, अनंतकाल तक पुण्य का वरदान

धर्मकोष एक ऐसा कोष है जिसमें दानदाता एक बार में एक निश्चित धनराशि संस्था द्वारा चलाई गई विभिन्न सेवाओं के लिये दान करेगा, वह राशि दानदाता अपनी सुविधानुसार चार किश्तों में भी दे सकता है। दानदाता से प्राप्त सहयोग राशि को बैंक में स्थाई रूप से जमा कर दिया जायेगा और उस राशि से प्राप्त ब्याज या अन्य माध्यमों से प्राप्त आय द्वारा विश्व जागृति मिशन की विभिन्न सेवाएं निरन्तर संचालित रहेंगी। धर्मकोष में दी गई यह धन राशि ठीक वैसे ही है जैसे एक बार आम का पेड़ लगाओ और जिन्दगी भर उसके फल खाओ। अर्थात् धर्मकोष में एक बार दान दो और उस दान की अर्जित राशि से वर्षों-वर्षों तक दान देने का पुण्य लाभ पाओ।

धर्मकोष दानदाताओं के लिए आनन्दधाम में होता है

नित्य यज्ञ, पूजा, प्रार्थना एवं आरती

मिशन द्वारा संचालित सेवाकार्यों और भक्तों के अनन्तकाल तक पुण्य प्राप्ति के लिए एक "**धर्मकोष**" बनाया गया है। इस धर्मकोष में दान देने वाले भक्त के नाम के साथ उसकी वंशावली का नाम एक कालपात्र में स्वर्णाक्षरों में अंकित कर उसे द्वादश ज्योतिर्लिंग प्रांगण में स्थापित किया गया, जो कि सैकड़ों वर्षों तक सुरक्षित रहेगा और दानदाता के आनेवाली पीढ़ियां अपने पूर्वजों पर गर्व करेंगी। धर्मकोष के दान-दाताओं की वंशावली शिव वरदान तीर्थ में स्थापित हैं, जहां पर नित्य सायंकालीन यज्ञ, आरती में गुरुकुल के ऋषिकुमारों द्वारा धर्मकोष के दानदाताओं के लिए यज्ञ में आहुतियां दी जाती हैं तथा उनके लिए प्रार्थना व मंगलकामना भी की जाती है।।

धर्मकोष में आप यह सहयोग सीधे बैंक एकाउण्ट में भी जमा कर सकते हैं। जमा करने के उपरान्त श्री ललित कुमार जी को फोन नम्बर - 9312284390 पर अवश्य सूचित करें ताकि दिये गये दान की रसीद आपको भेज सकें।

Name of Account : VISHWA JAGRITI MISSION
Account number : 235401001600
IFSC : ICIC0002354
Name of Bank : ICICI Bank
Address of Branch : Shop Number 3, Nazafgarh Road,
Nangloi, New Delhi - 110041

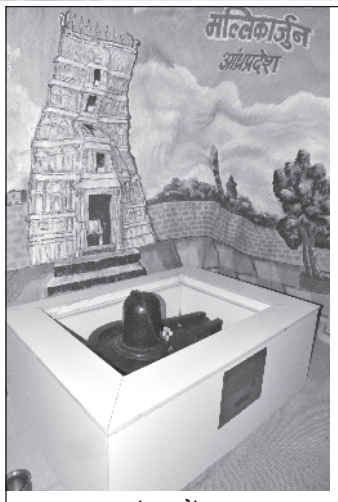

शिव वरदान तीर्थ

वह स्थान जहां पूर्ण होती हैं मनोकामनाएं

मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग

इस अंक में हम बात कर रहे हैं आनन्दधाम आश्रम स्थित शिव वरदान तीर्थ में द्वितीय ज्योतिर्लिंग मल्लिकार्जुन की। जहाँ-जहाँ शिव ज्योतिरूप में प्रगटे वे स्थान भारत भर में ज्योतिर्लिंग कहलाये, उनकी मान्यता जगत प्रसिद्ध है, उन्ही का साक्षात्स्वरूप आनन्दधाम ओंकार पर्वत की गुफा में 12 ज्योतिर्लिंगों में विद्यमान हैं। यहाँ शिव की दिव्य उर्जा कष्ट हरण करती है। इन ज्योतिर्लिंगों के दर्शन पूजन और रुद्राभिषेक से हजारों भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण हुई हैं। देश विदेश के भक्त यहाँ मनौती पूर्ण करने आते हैं। भारत के महान संतों ने भी यहाँ आकर दर्शन पूजन किया है और कृपा प्राप्त कर आनन्दित हुए हैं। पूज्य जगद्गुरु स्वामी राजराजेश्वराश्रम जी महाराज (हरिद्वार), विश्व प्रसिद्ध राम कथा वाचक पूज्य मोरारी बापू जी, चमत्कारी विद्या के धनी सनातन गौरव बागेश्वर सरकार पूज्य पंडित धीरेन्द्र शास्त्री जी तथा भारत भर के सैकड़ों साधु सन्यासी यहाँ की दिव्य ऊर्जा से लाभान्वित हुए।

शिव वरदान तीर्थ के 12 ज्योतिर्लिंगों में प्रथम ज्योतिर्लिंग का वर्णन पिछले अंक में किया जा चुका है। इस अंक में 12 ज्योतिर्लिंग में मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग जो दूसरे नम्बर पर है। उसका वर्णन किया जा रहा है। शास्त्रों में मान्यता है कि इस जयोतिर्लिंग के पूजन-अभिषेक से अश्वमेघ यज्ञ के बराबर फल मिलता है। पुराणों के अनुसार भगवान शिव और माता पार्वती अपने पुत्र कार्तिकेय और गणेश के बीच विवाह सम्बन्धी हुए विवाद में कार्तिकेय के रुठ जाने पर उन्हें मनाने के लिए मल्लिका (पार्वती) और अर्जुन (शिव) के रूप में वेष बदलकर मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग में समाहित है। इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन-पूजन से संतान में आपसी मतभेद नहीं होता है। शिव वरदान तीर्थ के मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन-पूजन से अपने बच्चों में आपसी प्रेम सामंजस्य का वरदान पाएं और घर-परिवार में खुशहाली लाएं। ●

दिल में दया का भाव जगाएं, भगवान को अपने करीब पाएं

आपका पूजा-पाठ, जप-तप निरन्तर चलता रहे, किन्तु खुद की तसल्ली के लिए अपनी समीक्षा कीजिए। अगर किसी दीन-दुःखी की पीड़ा को देखकर आपका हृदय पिघलने लग जाए, दूसरों का कष्ट आपको अपना लगने लग जाए, दुष्टता के सामने सिर उठाने का आपके अंदर हौंसला आ जाए और सज्जनों के सामने सिर झुकाने का भाव उत्पन्न हो जाए, अपने हिस्से में से भी दूसरे जरूरतमन्दों को देने का मन करने लगे, धर्म को फलता-फूलता देखकर अंदर प्रसत्रता पनपने लगे तो समझ लेना प्रभु कृपा आपके ऊपर होने लगी है, आप उसकी राह पर चलने लगे हैं, क्योंकि केवल घंटी, घड़ियाल बजाने वाला भक्त भगवान को शायद पसन्द न आए, लेकिन किसी निर्धन, गरीब, दुःखी, बदनसीबी के मारे हुए बेबस इंसान को यदि कोई अपनी थाली में से कुछ हिस्सा खिला देता है तो समझना उसने भगवान को ही भोग लगाया है और वह तुरन्त प्रभु कृपा का हकदार बन जाता है। जिस दिन यह करुणा किसी के दिल में जाग जाए, तो समझ लेना कि आप भगवान के करीब हैं, आप उसके दरबार में बैठने के हकदार हैं, आपको चुन लिया गया है, प्रभु ने आपके प्रेम को स्वीकार कर लिया है। ऐसे भक्त ही भगवान को प्रिय हैं और यही भगवान की भक्ति है। ●

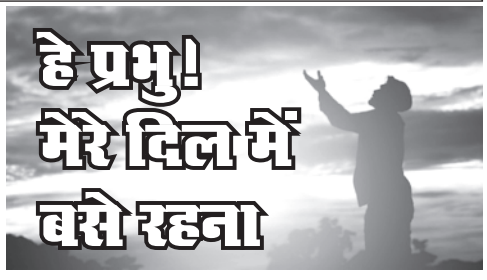

हे मेरे प्रभु! मैं कैसा मन लेकर आऊं जो तू मेरा हो जाए, कौन-सा धन लेकर आऊं कि तुझे रिझा सकू, क्या अर्पण करूं कि तुझे सदा के लिए पा लूं, कौन-सा प्रयास करूं कि तेरी निकटता प्राप्त हो जाए, कौन-सी वाणी बोलूं जो तुझे पसन्द आ जाए, कौन-सा कर्म करूं जो तूझे भा जाए। स्थिति में एक ही ध्यान रहता है कि प्रभु मेरा हो जाए और मैं उसका हो जाऊं। ●

पूज्य महाराजश्री एवं डॉ. अर्चिका दीदी के सान्निध्य में मनाया गया रक्षा बंधन

सम्बन्धों के बिना जीवन अधूरा, राखी भावनाओं की गहराई का त्योहार - सुधांशु जी महाराज

ओंकारेश्वर महादेव मन्दिर, नई दिल्ली, 09 अगस्त, 2025, ओंकारेश्वर महादेव मन्दिर प्रांगण में सैकड़ों भक्तों ने श्रावणी पूर्णिमा पर श्रद्धा पूर्ण वातावरण में गुरुदर्शन करके अपनी गुरु सत्ता का आशीर्वाद लिया और परस्पर राखियां भेंटकर रक्षाबंधन पर्व परम्परा का निर्वहन किया। पूज्य गुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज एवं डॉ. अर्चिका दीदी के सान्निध्य में मनाये गये इस पर्व में दिल्ली सहित आस पास के अनेक मण्डलों से सैकड़ों भक्तों ने पर्वोत्सव स्थल पधारकर अपनी गुरुसत्ता को श्रद्धा पूर्वक राखी भेंट

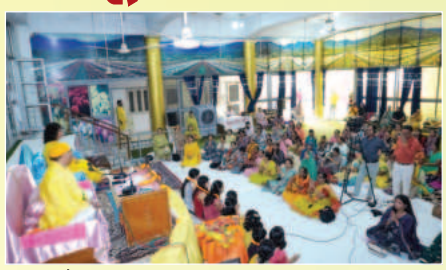

की और गुरुवर का आशीर्वाद लिया। साथ ही डॉ. अर्चिका दीदी ने सभी के साथ भाई-बहिन के संबधों वाले इस रक्षाबंधन पर्व का परम्परागत ढंग से निर्वहन किया। भक्तों-श्रद्धालुओं ने गुरु भजनों के साथ अपनी गुरुसत्ता की आरती करने का

सौभाग्य प्राप्त किया। भक्तों के लिए श्रावणी और पूर्णिमा दर्शन का यह योग आह्लादित करने वाला था।

कार्यक्रम के दौरान पूज्य गुरुदेव एवं डॉ. दीदी ने भक्तों को श्रावणी पूर्णिमा एवं रक्षाबंधन की शुभकामनायें दीं और रक्षाबंधन पर्व की गरिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला। गुरुदेव ने कहा संबंधों के बिना जीवन अधूरा है और इन संबंधों को बरकरार रखने में हमारे भाव संवेदनायें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह राखियां हमें अपनी संवेदनशीलता को गहराई देने का भी संदेश देती हैं। डॉ. अर्चिका दीदी ने कहा रक्षाबंधन पर्व हमें अपनी भावनाओं को विस्तार देने का संदेश देता है, जितनी गहरी भावना उतना गहरा जुड़ाव होता है। सौभाग्य है कि पूर्णिमा दर्शन और रक्षाबंधन पर्व दोनों का मनाने का अवसर मिला। ●

पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण जी महाराज का आनन्दधाम आश्रम प्रवास

आनन्दधाम, नई दिल्ली, 10 अगस्त, 2025, देवभूमि हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ के महामंत्री श्रद्धेय आचार्य

बालकृष्ण जी महाराज अपने एक दिवसीय प्रवास पर आनंदधाम आश्रम पधारे। जहां विश्व जागृति मिशन के संस्थापक अध्यक्ष पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज और पतंजलि योगपीठ के महामंत्री श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी महाराज दोनों संतों ने मिलकर देश में नव गुरुकुल के सृजन और विस्तार पर विचार विमर्श किया। इस अवसर पर शिक्षा व आयुर्वेद को लेकर दोनों ने मिलकर कदम बढ़ाने की संभावनाओं पर भी चिंतन-मंथन किया। इस विचार विमर्श में मिशन की अंतर्राष्ट्रीय संस्कार संयोजिका आदरणीया डॉ. अर्चिका दीदी जी भी सहभागीदार रहीं।

प्रवास के दौरान पूज्यवर ने आचार्य बालकृष्ण जी को मिशन की गौशाला, शिव वरदान तीर्थ क्षेत्र, गुरुकुल, पशुपतिनाथ शिवालय, यज्ञशाला आदि सम्पूर्ण परिसर का भ्रमण कराया। आचार्य श्री ने मिशन की यज्ञशाला में यज्ञाहुतियां भी समर्पित कीं। आचार्यश्री ने दीदी जी द्वारा आयोजित कैलाश यात्रा के लिए शुभकामनाएं भी दीं। ●

एबीपी न्यूज द्वारा आयोजित 'सनातन संवाद' कार्यक्रम में पूज्यवर का प्रखर उद्बोधन

सनातन संस्कृति दिखाती है विश्व कल्याण का मार्ग - सुधांशु जी महाराज

वृन्दावन (उत्तर प्रदेश) 12 अगस्त, 2025, राष्ट्रीय न्यूज चैनल एबीपी न्यूज ने अपने आयोजित 'सनातन संवाद' कार्यक्रम में वि. जा. मिशन के संस्थापक पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज को विशिष्ट अतिथि रूप में आमंत्रित किया। इस कार्यक्रम में प्रख्यात फिल्म अभिनेता आशुतोष राणा जी, संत कौशिक जी महाराज, पूज्य

चिन्मयानंद बापू जी महाराज, पूज्य सतीश जी महाराज एवं महामंडलेश्वर पूज्या हेमांगी सखी विशेष सहभागीदार रहे। यह कार्यक्रम मथुरा स्थित संस्कृति विश्वविद्यालय परिसर में रखा गया।

भेंटवार्ता के दौरान पूज्य गुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज ने बताया सम्पूर्ण विश्व के कल्याण का एक ही मार्ग है कि लोगों

को अपनी सनातन संस्कृति से जोड़ा जाय। गुरुदेव ने कहा भारतीय संस्कृति एवं भारतीय संस्कार ही इस बहकती दुनिया का कल्याण करने में सफल हो सकते हैं। पूज्यवर ने कहा इस कार्य के लिए हमें देश में योग्य नई पीढ़ी गढ़ने के लिए वैदिक गुरुकुल स्थापित करने होंगे, ताकि वे अभियान का नेतृत्व कर सकें। उन्होंने कहा

वैदिक गुरुकुल स्थापना से ही विश्व का कल्याण सम्भव होगा।

इस अवसर पर संस्कृति विश्व-विद्यालय परिवार ने पूज्यवर का विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वागत एवं अभिनन्दन किया। अभिनेता आशुतोष राणा ने भी पूज्य महाराजश्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। ●

गुरुवर ने दी राजघाट में पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी के पुण्यतिथि पर 16 अगस्त, 2025 को राजघाट (नई दिल्ली) में आयोजित सभा में पहुंचकर विश्व जागृति मिशन के संस्थापक पूज्यश्री सुधांशु जी महाराज ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर श्रीमती रेखा गुप्ता (मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार), सैयद शाहनवाज हुसैन (पूर्व केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार), डॉ. हर्षवर्धन (पूर्व केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार), प्रोफेसर जगदीश मुखी (पूर्व राज्यपाल, असम), श्री प्रवेश वर्मा (कैबिनेट मंत्री, दिल्ली सरकार), श्री गजेंद्र सिंह शेखावत (केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार), श्री करनैल सिंह (विधायक शकूरपुर, दिल्ली) सहित कई राजनेताओं ने पूज्य महाराजश्री से मिलकर प्रणाम प्रेषित किए। ●

आनन्दधाम आश्रम में संत मिलन

आनन्दधाम आश्रम। अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सनातन सम्राट स्वामी चक्रपाणि जी महाराज 22 अगस्त, 2025 को विश्व जागृति मिशन मुख्यालय में आकर पूज्य सद्गुरु श्री सुधांशु जी महाराज से भेंट मुलाकात की। इस अवसर पर पूज्य महाराजश्री ने उनका स्वागत एवं अभिनन्दन किया। ●

भगवान राम की करुण कला के अवतार हैं हमारे करुणासिंधु गुरुवर

भगवान राम करुणा के सागर हैं। वे अत्यंत करुणामय हैं। यदि आप उनसे मिलना चाहते हैं, उनके साथ एक होना चाहते हैं, उनमें ही वास करना चाहते हैं तो आपको भी करुणा का मूर्तिमन्त स्वरूप बनना होगा। करुणा दया और परोपकार का ही एक अनन्य रूप है। करुणा उच्च कोटि की भलाई है। करुणा दूसरों की पीड़ा को समझकर सदैव उनकी सहायता को तत्पर रहती है। एक करुणावान इंसान का हृदय नवनीत (मक्खन) से भी अधिक कोमल होता है। नवनीत अग्नि के समीप होने पर पिघलता है अर्थात् अपने कष्ट से दुखी होता है, परंतु एक परोपकारी इंसान का हृदय दूर रहने वाले व्यक्तियों के कष्ट को देखकर भी द्रवित हो जाता है। एक करुणाशील इंसान के विचार, शब्द एवं कार्य दयापूर्ण होते हैं। उसके पास जो कुछ भी है वह सबमें बांटता है। वह दूसरों के लिए अपनी सुख-सुविधा का त्याग करता है। जो स्वयं से ज्यादा दूसरों का जीवन खुशहाल करने के लिए अपना जीवन जीता है उसी का इस धरा पर नर देह पाना सार्थक है। क्योंकि यह मनुष्य की देह परम पिता परमात्मा का दिया हुआ कोई साधारण उपहार नहीं अपितु उस करुणानिधान का जीव पर महान उपकार है। रामचरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास जी ने कहा कि–**कबहुँक करि करुना नर देही। देत ईस बिनु हेतु सनेही।।**

अकारण करुणा करने वाले करुणावरणालय भगवान जीव पर विशेष कृपा कर यह मनुष्य का शरीर प्रदान करते हैं। और इसी नर देह से इंसान नारायण को पा सकता है या नारायण जैसा बन सकता है। नर रूप में अवतरित नारायण स्वरूप सद्गुरु में मैंने भगवान राम की अपार करुणा वाले स्वरूप के दर्शन किए। गुरुवर की करुणा का पावन प्रवाह मैंने तब देखा जब आनंदधाम आश्रम के आस-पास के गांवों में बाहर आने-जाने के लिए पक्के रास्ते नहीं थे। बरसात में किसी बीमार व्यक्ति को बीमारी की गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचाना मुश्किल था और आस-पास कोई अस्पताल या चिकित्सा सुविधा नहीं थी। यह स्थिति देखकर पूज्य गुरुवर ने असुविधा से गुजर रहे गरीब मरीजों को स्वास्थ्य का उत्तम और नि:शुल्क उपहार देते हुए वर्ष 2000 में करुणासिंधु धर्मार्थ अस्पताल की स्थापना की। अब तो आस-पास कई अस्पताल खुल चुके हैं और आवागमन की सुविधाएं भी हो गई हैं लेकिन जिस समय यह अस्पताल संचालित किया गया तो वह क्षेत्रवासियों के लिए **किसी अमृत संजीवनी से कम नहीं था।** गुरुवर के करुण हृदय से प्रवाहित करुणा 'करुणासिंधु' बनकर अपनी करुणा से लोगों की दुख, बीमारियां कष्ट हरण करता आ रहा है। जहां अब तक लगभग 21 लाख लोगों का उपचार हो चुका है। यह करुणा का ही भाव था जो लाखों लोग इस सुविधा का लाभ ले पाए।

प्रयास करें प्रतिदिन गुरु से जुड़े रहें। चाहे टी.वी., सोशल मीडिया, सत्संगों या ध्यान शिविरों के माध्यम से। आपके जीवन में भी गुरु से जुड़ने के पश्चात् निश्चित ही कुछ अप्रत्याशित, आश्चर्यजनक बदलाव आए होंगे, आपत्ति-विपत्ति से बाहर निकले होंगे, तो आप अवश्य हमसे अपने अनुभव साझा कीजिए ताकि आपसे प्रेरित होकर अन्य भक्तों की भी गुरु के प्रति श्रद्धा बढ़े और उन्हें भी आप के जैसा ही गुरु कृपा का लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने अनुभव फोटो सहित श्री शिवाकांत द्विवेदी जी (9968613351) सहसम्पादक धर्मदूत को अवश्य भेजें।

क्रमशः ...

आपका अपना
देवराज कटारीया

ध्वजारोहण के साथ मना 79वां स्वाधीनता दिवस

राष्ट्र का मान बढ़ाने वाले कार्य करके स्वाधीनता का गौरव बढ़ाएं - सुधांशु जी महाराज

आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली। 15 अगस्त, 2025, पूज्य गुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज एवं डॉ. अर्चिका दीदी के सानिध्य में आश्रम परिसर के कार्यकर्ताओं, मिशन के अधिकारियों एवं आश्रम पधारे अन्य सैकड़ों भक्तों के साथ आनन्दधाम आश्रम परिसर में 79वां स्वाधीनता दिवस परम्परागत तरीके से मनाया गया। महर्षि वेदव्यास गुरुकुल एवं उपदेशक महाविद्यालय की ओर से आयोजित इस समारोह में पूज्य गुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज, डॉ. अर्चिका दीदी एवं मिशन के महामंत्री श्री देवराज कटारीया जी ने ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात महर्षि वेदव्यास गुरुकुल एवं उपदेशक महाविद्यालय के प्रधानाचार्य, आचार्यगण, विद्यार्थियों सहित समारोह में सम्मिलित सभी लोगों ने राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रध्वज को नमन-वंदन किया। ध्वजारोहण के पश्चात संतद्वय पूज्य महाराजश्री व डॉ. दीदी जी ने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनायें दीं और देश के नवनिर्माण में हर सम्भव भागीदारी का संकल्प जगाया।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर पूज्य महाराजश्री के नेतृत्व में एक विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गयी। गुरुकुल के विद्यार्थियों, सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ यह तिरंगा यात्रा अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों सहित आश्रम परिसर में भ्रमण करते हुए आस-पास की कालोनियों के लोगों में राष्ट्र निर्माण में योगदान करने के भाव जगाये। अपने संदेश में पूज्य महाराजश्री ने देशवासियों से राष्ट्र का मान बढ़ाने वाले कार्य करके अपनी स्वाधीनता का गौरव बढ़ाने में योगदान का आवाहन किया। डॉ. अर्चिका दीदी ने अपने संदेश में कहा इस स्वाधीनता के पीछे देश के लाखों लोगों का बलिदान समाया है। जीवन में स्वतंत्रता के महत्व को स्थापित करने के लिए हर कार्य में राष्ट्रीय भावना रखने का हमें संकल्प लेना चाहिए। ●

संत सम्मेलन में पूज्य महाराजश्री

नई दिल्ली। पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर धाम) द्वारा 7 नवम्बर, 2025 को होने वाली सनातन जागृति यात्रा के सम्बन्ध में 4 सितम्बर, 2025 को उदासीन आश्रम, पहाड़गंज, नई दिल्ली में आयोजित संत सम्मेलन में पूज्य सद्गुरु श्री सुधांशु जी महाराज की गरिमामय उपस्थिति से संत समाज में विशेष उल्लास का वातावरण सृजित हुआ। इस अवसर पर संत सम्मेलन में पूज्य महाराजश्री को पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी ने प्रणाम कर आशीर्वाद लिए और महाराजश्री के अभिभावक स्वरूप पधारने पर हृदय से कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किये।

पूज्य महाराज श्री ने संस्कार, संस्कृति की रक्षा के लिए गुरुकुल और संस्कार केन्द्रों की स्थापना पर बल देते हुए पंडित श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी की सनातन जागृति यात्रा में सभी संतों को मिलकर साथ चलने का आह्वान किया। ●

आनंदधाम आश्रम में मनाया गया श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली, 16 अगस्त, 2025, पूज्य गुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज एवं ध्यान गुरु डॉ. अर्चिका दीदी के सान्निध्य में विश्व जागृति मिशन द्वारा आनंदधाम आश्रम में 16 अगस्त, 2025 को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव 'जन्माष्टमी' का भव्य आयोजन किया गया। रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। भक्तों को सम्बोधित करते हुए ध्यान गुरु डॉ. अर्चिका दीदी ने कहा– जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के आचरण को अपने जीवन में उतारने और उनके पथ

पर चलने का संकल्प लेने का दिवस है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर पूज्य महाराजश्री ने कहा–धर्म की स्थापना और अधर्म को उखाड़ फेंकने के लिए भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ। भगावन श्रीकृष्ण के आदर्शों को

अपने जीवन में उतारते हुए आप सभी धर्म-संस्कृति के रक्षक बनें, ज्ञात हो कि भगवान श्री कृष्ण की छठी का उत्सव 21 अगस्त, 2025 को आश्रम में धूमधाम से मनायी गया। ●

अनेक बीमारियों की एक रामबाण औषधि - गिलोय

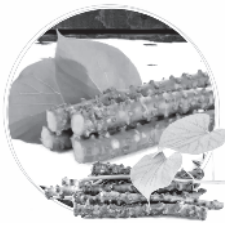

गिलोय एक आयुर्वेदिक औषधि है जो अपने अनेक स्वास्थ्य लाभों के लिए प्रसिद्ध है। इसे आयुर्वेद में अमृता कहा जाता है जो कि अमृत के समान गुणकारी है। आइये जानते हैं गिलोय के कुछ अनोखे स्वास्थ्य लाभ।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना: गिलोय हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो शरीर में फ्री रैडिकल्स को खत्म करने में मदद करते हैं और शरीर को स्वस्थ बनाए रखते हैं।

पाचन तंत्र को सुधारना: गिलोय का नियमित सेवन पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। यह कब्ज, गैस, एसिडिटी और अन्य पाचन समस्याओं को दूर करने में सहायक होता है। इसके सेवन से भोजन का पाचन अच्छी तरह से होता है।

डायबिटीज नियंत्रण में मददगार: गिलोय मधुमेह के मरीजों के लिए भी लाभकारी है। यह ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करती है और इंसुलिन की प्रभावशीलता को बढ़ाती है।

जोड़ों का दर्द और सूजन में राहत: गिलोय में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में सहायक होते हैं।

बुखार और संक्रमण में लाभकारी: गिलोय का काढ़ा या जूस बुखार को कम करने और शरीर को संक्रमण से बचाने में मदद करता है।

त्वचा की समस्याओं का समाधान: गिलोय त्वचा के लिए भी बहुत फायदेमंद है। त्वचा को चमकदार और स्वस्थ बनाती है।

श्वसन तंत्र को मजबूत करना: गिलोय का सेवन श्वसन तंत्र को मजबूत बनाता है। यह अस्थमा, खांसी और सर्दी जैसी समस्याओं में राहत देता है।

गुरुकुल में मनाया गया शिक्षक दिवस

आनन्दधाम आश्रम, 5 सितंबर, 2025 को आनंदधाम आश्रम में पूज्य सद्‌गुरुदेव जी महाराज एवं नाथ सम्प्रदाय के बाल योगी स्वामी श्री उमेशनाथ जी महाराज के सान्निध्य में शिक्षक दिवस मनाया गया। दोनों संतों ने शिक्षक दिवस पर आचार्यों को बधाई दी। गुरुदेव जी ने कहा ''शिक्षक आध्यात्मिक गुरु के रूप में विद्यार्थी की मनोदिशा और दिशा दोनों को सम्भव मार्ग पर चलाने का काम करते हैं। बालयोगी जी ने कहा ''पूजनीय सुधांशु जी महाराज सम्पूर्ण विश्व में सनातन संस्कृति के मूल्यों और संस्कृति को स्थापित करने के लिए संकल्पबद्ध हैं।

इन दो पुण्य आत्माओं के आने से पूर्व गुरुकुल के ऋषिकुमारों, महाविद्यालय के उपदेशकों एवं अधिकारियों ने शिक्षक दिवस की भूमिका और महत्व पर विचार प्रकट किये। डॉ. नरेन्द्र मदान जी ने कहा ''गुरुदेव जी महाराज हमारे सबसे बड़े शिक्षक गुरु हैं। श्री देवराज कटारीया जी ने कहा ''महाराजश्री ने हमारी दिशा और दशा बदल दी है। एम.एल.तिवारी जी ने कहा ''गुरुदेव जी ने लाखों लोगों के जीवन को बदला है। श्री दौलतराम कटारिया जी ने सबका धन्यवाद किया। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

–नरेन्द्र मदान

'धर्मो रक्षति रक्षितः' धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए धर्मादा से जुड़ें

धर्म शास्त्रों का संदेश है कि व्यक्ति जो भी कमाये उसमें से कुछ अंश धर्म के लिए दान कर अपने धन की शुद्धि करे। क्योंकि कहा गया है–'धर्मो रक्षति रक्षितः' जो धर्म की रक्षा करता है धर्म उसकी रक्षा करता है। प्राचीन समय में हर व्यक्ति अपनी कमाई में से दसवां भाग ऐसे कार्यों में दान पुण्य करता था। इससे व्यक्ति की आय चाहे भले ही कम रही हो, लेकिन उसकी कमाई में बरकत बनी रहती थी। समय बदला और लोगों की आय भी बढ़ी लेकिन वे धीरे-धीरे दान-पुण्य करना भूलने लगे जिससे उनकी आय में बढ़ोत्तरी होने के बाद भी बरकत में कमी होने लगी। लोगों की आय भी बढ़े और बरकत भी बनी रहे इस उद्देश्य से पूज्य गुरुदेव जी महाराज ने विश्व जागृति मिशन द्वारा भक्तों के कल्याण के लिए धर्मादा सेवाएं प्रारम्भ करवाई हैं। मिशन अनाथाश्रम, गुरुकुल, योगा स्कूल, वृद्धाश्रम, धर्मार्थ अस्पताल, गौशालाएं, भण्डारे, आश्रम एवं मंदिर निर्माण, यज्ञ, सत्संग एवं साधना शिविर तथा दैवीय आपदाओं में सेवा-सहयोग भी करता है। आप इन सेवाकार्यों में दान-पुण्य कर अपने घर-परिवार में सुख-शांति और नौकरी-व्यापार में उन्नति-प्रगति का वरदान पायें।

**इस जीवन का पैसा अगले जन्म में काम नहीं आता,
मगर इस जीवन का पुण्य जन्मों, जन्मों तक काम आता है।**

यदि आप अभी तक धर्मादा सदस्य नहीं बने हैं और विश्व जागृति मिशन द्वारा चलाये जा रहे सेवा प्रकल्पों से संतुष्ट हैं तो श्री जी.सी. जोशी, दूरभाष-09311534556 पर सम्पर्क करें।

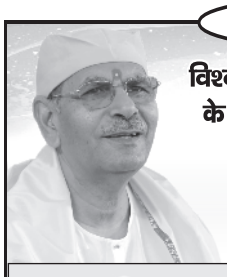

एक सुविधा यह भी

विश्व जागृति मिशन द्वारा संचालित विभिन्न सेवाप्रकल्पों के लिए दान आप पे.टी.एम. एवं अन्य यू.पी.आई. ऐप द्वारा भी कर सकते हैं।

Paytm UPI Accepted Here

भुगतान करने के पश्चात श्री जी.सी. जोशी जी के वाट्सऐप नं॰ 93115 34556 पर अवश्य सूचित करें।

आपके द्वारा दिया गया सहयोग आयकर की धारा 80G के अन्तर्गत करमुक्त है।

भुगतान करने के लिए पे.टी.एम. या किसी भी अन्य यू.पी.आई. भुगतान ऐप में QRcode को स्कैन करें

चलो! भगवान श्रीकृष्ण की लीलाभूमि वृन्दावन

ध्यान साधना शिविर में भाग लेने का सुनहरा अवसर

आइये, जहां बाल कृष्ण का बचपन बीता वहां ध्यान की यात्रा करें

पूज्य सुधांशु जी महाराज एवं डॉ. अर्चिका दीदी के दिव्य ज्ञान द्वारा निर्देशित

श्रीकृष्ण ध्यान योग
12 से 16 नवंबर 2025

श्री कृष्ण की नगरी में विशेष कार्यक्रम:
- पूज्यश्री सुधांशु जी महाराज एवं डॉ. अर्चिका दीदी के पावन मार्गदर्शन में ध्यान
- नवीन ध्यान शैलियों से परिचय
- वृन्दावन और आसपास के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण जो अपनी सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं।
- सुखद आवास एवं सात्विक भोजन की व्यवस्था

ध्यान स्थली:
भारती उपवन, वैजंती धाम
जगद्गुरु श्री निम्बार्काचार्य द्वार के पास,
छटीकरा रोड, वृन्दावन,
उत्तर प्रदेश, 281121

शीघ्र अपना स्थान सुरक्षित करें!

वृन्दावन और आसपास के दर्शनीय स्थल (ध्यान स्थली से उनकी दूरी)

नोटः- रमणीक स्थलों पर भ्रमण करने की व्यवस्था साधकों को स्वयं करनी होगी।

सीमित आवास व्यवस्था

आयोजकः विश्व जागृति मिशन

पंजीकरण व अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : (+91) 9589938938, 9685938938, 8826891955, 9312284390

मिशन द्वारा खूंटी (झारखंड) में नेत्र जांच शिविर एवं साड़ी वितरण

पूज्य गुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज के आशीर्वाद से विश्व जागृति मिशन के तत्वाधान में झारखंड सरकार की पूर्व समाज कल्याण मंत्री और गोंड जनजातीय समाज झारखंड की अध्यक्ष सुश्री विमला प्रधान जी द्वारा खूंटी (झारखंड) में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों गरीब रोगियों ने नेत्र जांच करवाकर चिकित्सकों से उचित सलाह प्राप्त की। इसी अवसर पर पूर्वमंत्री द्वारा गरीब महिलाओं को साड़ियां भी बांटी गई। ●

आनंदधाम आश्रम में मनाया गया गणेश उत्सव

पूज्य सद्गुरु श्री सुधांशु जी महाराज एवं ध्यान गुरु डॉ. अर्चिका दीदी के सान्निध्य में आनंदधाम आश्रम, नई दिल्ली में 27 अगस्त, 2025 को गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर भगवान गणपति का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भगवान गणेश की मूर्ति के साथ आश्रम में शोभायात्रा निकाली गई। प्रतिदिन बड़ी श्रद्धा भक्ति से भगवान गणपति का इस दिन तक पूजन, अर्चन, आरती, आराधना की गई। 6 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के शुभ अवसर पर भगवान गणपति का विधिवत पूजन के उपरांत विसर्जन किया गया। ●

पूज्य महाराजश्री के कुम्भ पर्व पर लिए 108 संस्कार केन्द्रों के संकल्प में जुड़ी एक और कड़ी

कालका जी (दक्षिणी दिल्ली मंडल) में 22वें बाल संस्कार केंद्र का शुभारंभ

कालका जी, नई दिल्ली। पूज्य गुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज एवं श्रद्धेया डॉ. अर्चिका दीदी जी की आशीर्वाद एवं प्रेरणा से 108 बाल संस्कार केंद्रों की स्थापना के पावन संकल्प के अंतर्गत दिनांक 17 अगस्त 2025 को श्री लाल साईं मंदिर, डी. डी.ए. फ्लैट्स, कालका जी (दक्षिणी दिल्ली मंडल) में बाल संस्कार केंद्र का बड़े हर्षोल्लास के साथ शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर लगभग 70 श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज की, जिनमें 20 बच्चे, उनके अभिभावक एवं अनेक भक्त सम्मिलित रहे। बच्चों द्वारा किए गए मंत्रोच्चारण ने पूरे वातावरण को पावन एवं आध्यात्मिक बना दिया।

इस कार्यक्रम की सफलता में मंडल प्रमुख श्री बी डी वधवा जी, श्री लोकेश धवन जी, श्री सुशील शर्मा जी एवं मण्डल के अधिकारी सहित अनेक समर्पित सेवाभावी कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

नई दिल्ली स्थित केंद्रीय सनातन संस्कृति जागरण अभियान टीम के श्री जे. एल. रस्तोगी जी, श्री अनिल मित्तल जी एवं श्री एस. एन. खुराना जी के मार्गदर्शन व सतत संवाद से देशभर के विभिन्न मंडलों में बाल संस्कार केंद्रों की स्थापना का यह अभियान निरंतर प्रगति कर रहा है। ●

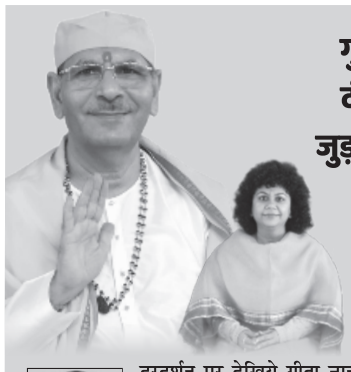

गुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज एवं डॉ. अर्चिका दीदी के विचार सुनने व विश्व जागृति मिशन से जुड़ने और दूसरों को जोड़ने के लिए सोशल मीडिया के निम्नलिखित प्लेटफार्म पर सम्पर्क करें-

TO CONTACT US : LOG-IN

VISHWA JAGRITI MISSION
Facebook Youtube Instagram X Linked In Whatsapp

HIS HOLINESS SUDHANSHU JI MAHARAJ
Facebook Youtube Instagram X Koo Linked In Speaking Tree

DR. ARCHIKA DIDI JI
Facebook Youtube Instagram X Koo Linked In Speaking Tree

दूरदर्शन पर देखिये गीता ज्ञान अमृतम्
DD NATIONAL
प्रतिदिन प्रातः 7:00 से
Tata Sky - 197
Airtel - 153
Dish TV - 113
Tata Play - 114 in SD
Jio TV, Watcho and Waves OTT

संस्कार
सोमवार से शुक्रवार
प्रतिदिन प्रातः 7:45 से 8:05 तक

Phone +91 99999 04747
www.sudhanshujimaharaj.net
www.vishwajagritimission.org
www.drarchikadidi.com
info@sudhanshujimaharaj.net
info@vishwajagritimission.org

Jaago Sudhanshu ji Maharaj

कामधेनु गौशाला

गौ माता के संरक्षण और संवर्द्धन हेतु दान देकर पुण्य के भागीदार बनें।

कृपया गौशाला में दान देने के लिए आप अपनी सहयोग राशि ''विश्व जागृति मिशन-गौशाला'' के एक्सिस बैंक लिमिटेड, A-11, विशाल एनक्लेव, राजौरी गार्डन गार्डन, नई दिल्ली - 110027 के खाता संख्या -910010001264246, IFSC Code - UTIB0000066 में सीधे जमा करवा सकते हैं, इसकी सूचना आप श्री सतीश शर्मा-मो०-9310278078 पर अवश्य भेजें ताकि जमा राशि की रसीद बनाकर आपको प्रेषित कर सकें।

Paytm UPI Accepted Here

भुगतान करने के लिए पे.टी.एम. या किसी भी अन्य यू.पी.आई. भुगतान ऐप में QRcode को स्कैन करें

आपके द्वारा दिया गया दान आयकर की धारा 80-G के अंतर्गत कर मुक्त है।

कार्यालय : आनन्दधाम आश्रम, नांगलोई-नजफगढ़ रोड, बक्करवाला मार्ग, नई दिल्ली-110041
दूरभाष : 9560792792, 9582954200
ई-मेल : annapurna@vishwajagritimission.org
वेबसाइट : www.vishwajagritimission.org

अपने स्वयं व अपनों के जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ व पूर्वजों की पुण्यस्मृति में अन्नपूर्णा योजना के अन्तर्गत यजमानों द्वारा आनन्दधाम आश्रम के गुरुकुल, वृद्धाश्रम में भोजन करवाया जाता है तथा गऊओं के लिए गौग्रास भी दिया जाता है। इस अवसर पर यजमानों के लिए मंगलकामना करते हुए आचार्यों एवं ऋषिकुमारों द्वारा प्रार्थना और यज्ञ भी किया जाता है।

इस योजना की सहयोग राशि आप सीधे बैंक खाते में भी जमा कर सकते हैं–

"VISHWA JAGRITI MISSION" का A/c No. 916010029741912 Axis Bank, East Punjabi Bagh, New Delhi-110026, IFS CODE - UTIB0002497.

भुगतान करने के लिए, पेटीएम या किसी भी अन्य यू.पी.आई. भुगतान ऐप में QRcode को स्कैन करें
www.vishwajagritimission.org
आनंदधाम आश्रम, नांगलोई-नजफगढ़ रोड, बक्करवाला मार्ग, नई दिल्ली-110041

राशि जमा कराने के उपरान्त उसकी सूचना हमें ई-मेल : annapurna@vishwajagritimission.org याव्हाट्सऐप नम्बर : 9582954200, 9560792792 पर अवश्य भेजें,ताकि जमा की गई राशि की रसीद आपको भेजी जा सके।

एक से अधिक तिथियाँ आरक्षित कराने के लिए उपरोक्त ई-मेल आई.डी. पर सूचित करें।

(आपके द्वारा दिया गया दान आयकर की धारा 80G के अन्तर्गत कर मुक्त है)

युगऋषि पूजा एवं अनुष्ठान केन्द्र

आपकी हर समस्या का पूजा-पाठ, यज्ञ-अनुष्ठान से मिलेगा समाधान

घर परिवार, नौकरी व्यापार में उन्नति-प्रगति के लिए दुःख, दरिद्रता को दूर कर सुख-समृद्धि प्राप्ति के लिए, रोग-बीमारी दूर कर आरोग्यता के लिए, घर के कलह-क्लेश को दूर कर आनन्द-मंगल प्राप्ति के लिए और जीवन में आने वाले अनेक प्रकार के शारीरिक व मानसिक कष्टों से छुटकारा पाने के लिए पूजा-पाठ, यज्ञ-अनुष्ठान, दान-पुण्य, धर्म कार्यों के लिए सम्पर्क करें।

अश्वमेध यज्ञ के समान फलदायी है एकादशी का व्रत

सभी व्रतों में एकादशी के व्रत को उत्तम माना जाता है और एकादशियों में इंदिरा एवं पापांकुशा एकादशी के व्रत को विशेष महत्व दिया जाता है। इंदिरा एवं पापांकुशा के व्रत पूजन से भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। एकादशी का व्रत पूरे विधि-विधान और सच्चे हृदय से करने से भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है। व्रती साधक पवित्रात्मा होकर जन्म-जन्मांतर के पाप-संताप से मुक्ति का वरदान प्राप्त कर लेता है और उसका लोक-परलोक सुधर जाता है। एकादशी का व्रत सभी व्रतों में श्रेष्ठ और अश्वमेध यज्ञ करने के समान पुण्यफलदायी है। ●

प्रदोष व्रत से आती है गृहस्थ जीवन में खुशहाली

भगवान शिव और माता पार्वती को प्रसन्न कर उनकी कृपा पाने के लिये हर महीने के दोनों पक्षों में आने वाले प्रदोष के व्रत, पूजन, जप, यज्ञ, दान का विशेष महत्व है। इससे भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष कृपा प्राप्त होती है। प्रदोष के व्रत, पूजन, पाठ, जप, यज्ञ से भगवान शिव अपने भक्तों को मन की शांति और हर मनोकामना पूरी करते हैं। इस पुण्य पर्व का लाभ भक्तों को जरूर उठाना चाहिये। इस प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव के साथ उनके परिवार की पूजा की जाती है। इस पूजन के प्रभाव से घर-परिवार के कलह-क्लेश मिटते हैं और सुख-समृद्धि, प्रेम-प्रसन्नता का उदय होता है। इसलिये इस विशेष पर्व तिथि पर शिव परिवार की पूजा-आराधना शिवभक्तों को अवश्य करनी चाहिये। प्रदोष पर्व पर शिवचालीसा, शिव सहस्त्रनाम पाठ, रुद्राभिषेक, शिव पंचाक्षर मंत्र, महामृत्यंजय मंत्र जाप व पाठ स्वयं करने व सुयोग्य ब्राह्मणों से करवाने पर महापुण्य फल की प्राप्ति होती है। ●

सर्वपितृ अमावस्या पर करें पितृ पूजन

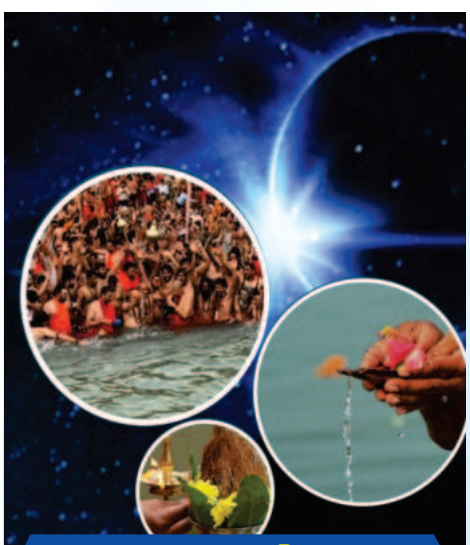

21 सितम्बर, 2025 को आश्विन मास की सर्वपितृ अमावस्या है। इस दिन भूले-विसरे सभी पितरों का श्राद्ध किया जाता है। इस अमावस्या पर स्नान-दान और देव-पितृ पूजन का विशेष महत्व है। मन को सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर बनाए रखने हेतु पवित्र नदियों में स्नान, तीर्थों की यात्रा, दान, सेवा-सहायता, यज्ञ, भजन, तप, साधु-सन्तों का संग, गुरु की शरण, धार्मिक ग्रन्थों का स्वाध्याय, माता-पिता का सम्मान, गरीबों पर दया एवं देव-पितरों का पूजन जैसे बहुत से साधन निर्देशित किए गए हैं। ज्योतिष के अनुसार पितृदोष, विषदोष, मंगली दोष, सन्तान हीनता, वैधव्य, दारिद्रय, धूर्त, कलह आदि भयंकर दोषों का कारण व्यक्ति के अपने अमर्यादित कर्म ही होते हैं, जिनसे मुक्ति प्राप्त करने के लिये धर्म का आचरण ही औषधि का कार्य करता है। धर्म का अनुसरण करने से पिछले दुष्कर्मों का प्रायश्चित होकर मन में पवित्रता का संचार होता है। ●

सभी पर्व-त्योहारों पर पूजा-पाठ, यज्ञ-अनुष्ठान के लिए "युगऋषि पूजा एवं अनुष्ठान केन्द्र" में सम्पर्क करें।
सम्पर्क सूत्र : +91 9560792792,8826891955,7291986653,9599695505

अमृत वर्षा का पावन पर्व है

शरद पूर्णिमा

7 अक्टूबर, 2025 को आश्विन मास की शरद पूर्णिमा है। शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा व रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इस पूर्णिमा पर चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार शरद पूर्णिमा की रात्रि को आसमान से अमृत की वर्षा होती है। इसी दिन समुद्र मंथन से लक्ष्मी माता की उत्पत्ति हुई। इस दिन माँ लक्ष्मी पृथ्वी पर विचरण करती हुई अपने भक्तों पर धन की वर्षा करती हैं। जो भक्त शरद पूर्णिमा में माँ लक्ष्मी का ध्यान करते हुए उनकी पूजा, उपासना, आराधना, मंत्र जाप, स्तोत्र पाठ स्वयं करते हैं या पंडितों से करवाते हैं उनके घर-परिवार, नौकरी-व्यापार में वर्ष भर माँ लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

युगऋषि पूजा एवं अनुष्ठान केन्द्र द्वारा आयोजित आगामी पूजा अनुष्ठान जिनमें आप अपनी इच्छानुसार भाग ले सकते हैं

15	सितम्बर, 2025	सोमवार	मात्र नवमी (श्राद्ध)
17	सितम्बर, ''	बुधवार	इंदिरा एकादशी विश्वकर्मा जयंती
19	सितम्बर, ''	शुक्रवार	प्रदोष व्रत
21	सितम्बर, ''	रविवार	सर्वपितृ अमावस्या
22	सितम्बर, ''	सोमवार	नवरात्र आरम्भ
30	सितम्बर, ''	मंगलवार	श्री दुर्गाअष्टमी
01	अक्टूबर, 2025	बुधवार	महानवमी
02	अक्टूबर, ''	गुरुवार	विजयादशमी
03	अक्टूबर, ''	शुक्रवार	पापांकुशा एकादशी
04	अक्टूबर, ''	शनिवार	प्रदोष व्रत
07	अक्टूबर, ''	मंगलवार	शरदपूर्णिमा
10	अक्टूबर, ''	शुक्रवार	करवाचौथ
13	अक्टूबर, ''	सोमवार	अहोई अष्टमी
17	अक्टूबर, ''	शुक्रवार	रमा एकादशी
18	अक्टूबर, ''	शनिवार	प्रदोष व्रत
19	अक्टूबर, ''	रविवार	धनतेरस
21	अक्टूबर, ''	मंगलवार	दीपावली

विश्व जागृति मिशन (रजि०) के लिए श्री देवराज कटारीया द्वारा समाचार पत्र "धर्मदूत" ओंकारेश्वर महादेव मंदिर, 'जी' ब्लॉक, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली-110015 से प्रकाशित एवं पुष्पक प्रिन्टर्स द्वारा मुद्रित। ग्रॉफिक डिजाइनिंग : सीता फाईन आर्ट्स प्रा० लि०, नई दिल्ली। सम्पादक : डॉ. नरेन्द्र मदान